आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 17.09.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "संघ के कामकाज में राजभाषा हिन्दी का महत्व" के विषय पर श्री महेंद्र प्रसाद , राजभाषा विभाग द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया । #आजादीकाअमृतमहोत्सव

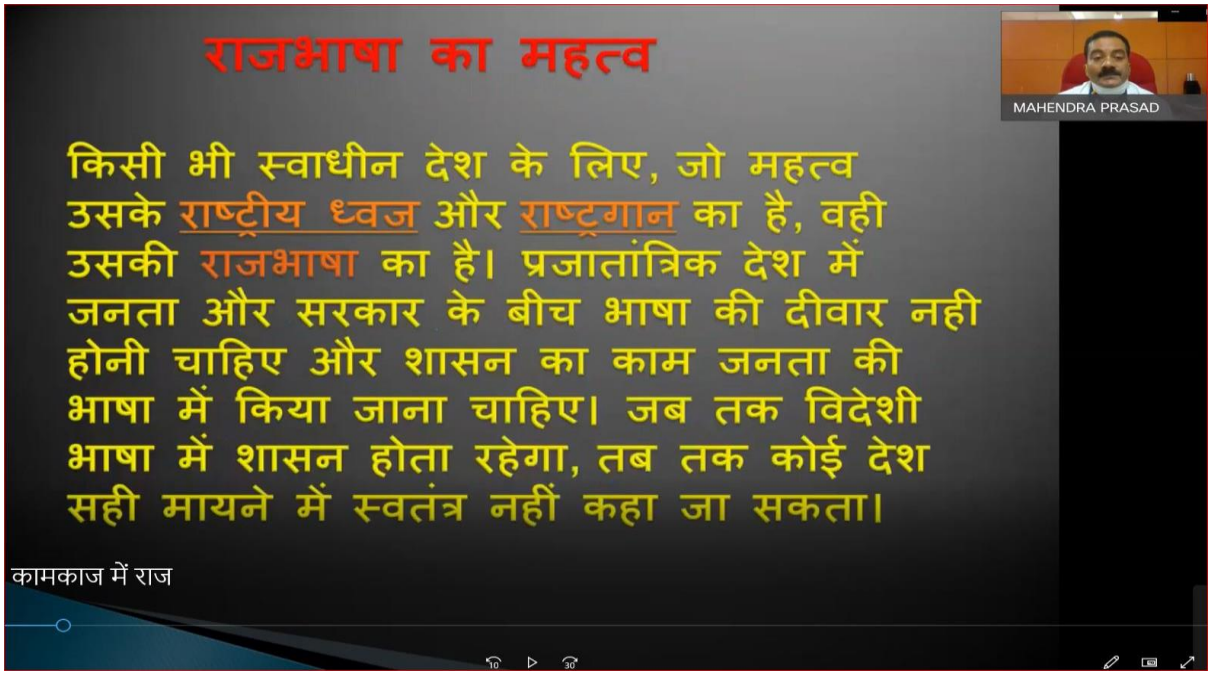


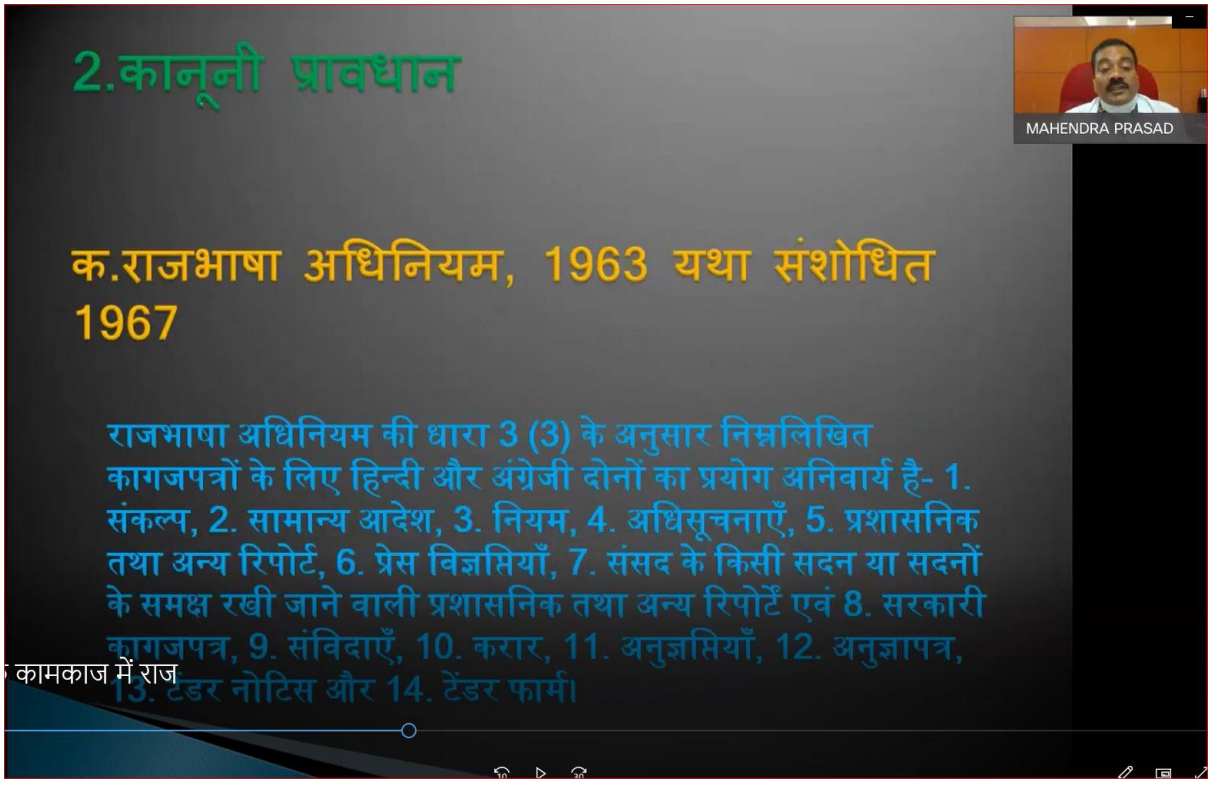

# 2014 में सत्ता बदलने के बाद आया बड़ा बदलाव

- सत्ता और समय के साथ-साथ कई चीजें बदलती हैं।
- राज-काज और विदेश नीति तक में हिंदी भाषा को तरजीह मिलने लगी है।
- प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा अधिकांश संवाद और ट्वीट भी हिंदी में किए जाने लगे हैं।
- प्रधानमंत्री भी वैश्विक मंचों पर हिंदी को बढ़ावा देते रहे हैं।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी हिंदी भाषा को प्राथमिकता दी गई है।

# हिंदी: सोशल मीडिया

- हमारी हिंदी ग्लोबल है। न केवल वह युवाओं और बच्चों को रास आ रही है बल्कि तेजी से हर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जगह बनाती जा रही है। सबसे खास बात यह है कि हिंदी का यह रूप हमारा अपना है।
- यहां हिंदी किसी नियम कायदे में नहीं बंधी है। जिस भी तरह से हम उसे प्रेम करते हैं वैसी ही हिंदी हम दुनिया तक पहुचा भी रहे हैं।
- असल में यही वो हिंदी है जो हमारी पहचान बन सकती है, जो आसान है, सहज है और ताकतवर भी है। क्योंकि इसमें मिली है दुनियाभर की कई भाषाओं की खुशबू। यही कारण है कि गेमिंग से लेकर, माइक्रो ब्लॉगिंग साइट्स और ब्लॉगिंग तक हिंदी छाई हुई है।